दशम माला, खंड 15, अंक 28

सोमवार, 17 अगस्त, 1992
26 श्रावण, 1914 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद
का
हिन्दी संस्करण

चौथा सत्र

(दसवीं लोक सभा)

(खंड 15 में अंक 21 से 31 तक है)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपये

[अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा।]

विषय-सूची

दशम माला, खंड 15, चौथा सत्र, 1992/1914 (शक)

अंक 28, सोमवार, 17 अगस्त, 1992/26 श्रावण, 1914 (शक)

विषय	पृष्ठ
अध्यक्ष महोदय के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणियों के बारे में	1—3

लोक सभा

सोमवार, 17 अगस्त, 1992/26 श्रावण, 1914 (शक)

लोक सभा 11 बजे म०पू० पर समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

अध्यक्ष महोदय के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणियों के बारे में

(व्यवधान)

[अनुवाद]

श्री श्रीकान्त जेना (कटक) : अध्यक्ष महोदय, आपने यह निर्णय लेकर अपनी स्थिति बिगाड़ ली है। ((व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री छेदी पासवान (सासाराम) : लोकसभा के रूल्स कहां रह गए हैं, इनको एक मिनट भी इस कुर्सी पर बैठने का अधिकार नहीं है। (व्यवधान)

[अनुवाद]

श्री श्रीकान्त जेना : अध्यक्ष पद का दुरूपयोग न करें। (व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री छेदी पासवान : जब हम लोग बोलते हैं तो आप कहते हैं कि हमें संसदीय भाषा की जानकारी नहीं है, लेकिन आपने तो संसदीय प्रक्रिया की धज्जियां उड़ा दी हैं। (व्यवधान)

[अनुवाद]

श्री पवन कुमार बंसल : (चंडीगढ़) : महोदय, जिस तरह से सदस्य अध्यक्षपीठ के विरुद्ध बोल रहे हैं, उससे विशेषाधिकार का हनन होता है।

[हिन्दी]

श्री रामनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : अध्यक्ष महोदय, आपने लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा

कायम की है। (व्यवधान)

[अनुवाद]

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : इस सभा में दलबदल विरोधी कानून पारित किया गया था। लेकिन आपकी कार्यवाही और आपके अंतरिम आदेश से दल बदल को बढ़ावा मिलेगा। आपने इस तरह का अंतरिम आदेश क्यों जारी किया है ? (व्यवधान)

श्री श्रीकान्त जेना : हम सभा में मणिपुर पर चर्चा कर रहे थे, लेकिन अब प्रत्येक व्यक्ति आपके बारे में भी बात कर रहा है। (व्यवधान)

श्री निर्मल कान्ति चटर्जी (दमदम) : लोग बाहर कह रहे हैं कि आपने सरकार के लिए माध्यम का कार्य किया है। यदि ऐसा संसदीय लोकतंत्र में होता है... (व्यवधान)

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : महोदय, कुछ भी कार्यवाही वृतान्त में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : मैं सभी कुछ कार्यवाही वृतांत में सम्मिलित किए जाने की अनुमति दूंगा।

(व्यवधान)

श्री निर्मल कान्ति चटर्जी : महोदय, यह सभा और अध्यक्षपीठ के विरुद्ध एक बहुत गंभीर आलोचना है। (व्यवधान)

11.05 म०पू०

इस समय श्री छेदी पासवान और कुछ अन्य माननीय सदस्य आए और सभा पटल के निकट फर्श पर खड़े हो गए।

अध्यक्ष महोदय : सभा एक घंटे के पश्चात पुनः समवेत होने तक के लिए स्थगित होती है।

11.05½ म०पू०

तत्पश्चात् लोक सभा 12.05 म०प० पर पुनः समवेत होने के लिए स्थगित हुई।

12.05 म०प०

लोक सभा 12.04 म०प० पर पुनः समवेत हुई।

(उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया अपना स्थान ग्रहण करें।

(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : अध्यक्ष पद के विरुद्ध अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया है। हमने पहले ही विशेषाधिकार का एक नोटिस दिया है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मामले हैं जिन्हें शून्य काल में उठाया जाना है। अतः कृपया अपने स्थान ग्रहण करें।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री मदन लाल खुराना (दक्षिण दिल्ली) : 14 अगस्त को कश्मीर में पाकिस्तानी झंडा लहराया गया··· (व्यवधान) ···यह कश्मीर के हालात को बताता है। कश्मीर के हालात खराब हो रहे हैं··· (व्यवधान) ···सारे कश्मीर में झेलम के अंदर 14 अगस्त को पाकिस्तानी झंडे फहराए गए। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया अपने स्थान ग्रहण कीजिए।

12.08 म०प०

इस समय श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी और कुछ अन्य माननीय सदस्य आए और सभा के निकट फर्श पर खड़े हो गए।

उपाध्यक्ष महोदय : अब सभा कल 11.00 बजे पुनः समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

12.08 म०प०

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 18 अगस्त, 1992/27 श्रावण, 1914 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

मुद्रक : विन्ध्यवासिनी पैकेजिंग, न्यू सीलमपुर, दिल्ली-10053